

प्रेषक,

आनन्द बर्द्धन  
प्रमुख सचिव,  
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

प्रमुख अभियन्ता  
सिंचाई विभाग, उत्तराखण्ड,  
देहरादून।

सिंचाई अनुभाग

देहरादून : दिनांक 28 मार्च, 2017

**विषय :** वित्तीय वर्ष 2016-17 में आयोजनेत्तर पक्ष अधिष्ठान हेतु वचनबद्ध/अवचनबद्ध मदों में पुनर्विनियोजन के माध्यम से स्वीकृति विषयक।

**महोदय,**

उपरोक्त विषयक आपके पत्र संख्या 745/प्र0अ0/बजट/सी-2डी अधि0 (पुनर्विनियोग) दिनांक 03 मार्च, 2017 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि वित्तीय वर्ष 2016-17 में शासनादेश संख्या 1001/II-2016-03(09)/2015, दिनांक 25 अप्रैल, 2016, एवं शासनादेश संख्या 1942 II-2016-03(09)/2015, दिनांक 03 अगस्त, 2016, द्वारा अधिष्ठान के आयोजनेत्तर पक्ष के वचनबद्ध/अवचनबद्ध मदों की प्राविधानित कुल धनराशि रु0 3497950 हजार वित्त विभाग के शासनादेश संख्या 490/XXVII(1)/2016, दिनांक 31 मार्च, 2016 में दी गयी व्यवस्थानुसार आपके के निर्वर्तन पर रखी गयी है, जिसमें 04 कार्यकारी (अधिष्ठान) की 03- मंहगाई भत्ता मद में प्राविधानित धनराशि रु0 14537.60 लाख भी सम्मिलित है, में से कुल रु0 50.00 लाख (पचास लाख मात्र) की धनराशि संलग्न विवरणानुसार अनुदानान्तर्गत बचतों से पुनर्विनियोग कर आयोजनेत्तर पक्ष की 03- निदेशन एवं 04- कार्यकारी अधिष्ठान की संगत मदों में वित्तीय वर्ष 2016-17 में व्यय किये जाने की निम्न शर्तों के अधीन श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं

- (i) आहरण एवं व्यय किशतों में वास्तविक व्यय आवश्यकता आधार पर ही किया जायेगा तथा अतिरिक्त बजट की प्रत्याशा में स्वीकृत धनराशि से अधिक धनराशि कदापि व्यय नहीं की जायेगी और न अधिक व्ययभार सृजित किया जायेगा।
- (ii) उक्त स्वीकृति के अधीन आहरण एवं व्यय से पूर्व वित्तीय हस्त पुस्तिका बजट मैनुअल, उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली 2008 सुसंगत प्राविधानों, वित्तीय नियमों एवं मितव्ययता सम्बन्धी समस्त निर्देशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाय।
- (iii) स्वीकृत धनराशि का अन्यत्र विचलन कदापि न किया जाये। प्राविधानों एवं नियमों का अनुपालन न करने तथा स्वीकृत धनराशि का अन्यत्र विचलन करने पर सम्बन्धित आहरण वितरण अधिकारी व्यक्तिगत रूप से जिम्मेदार होंगे।
- (iv) स्वीकृत धनराशि के सापेक्ष व्यय की सूचना निर्धारित प्रपत्रों पर वित्त विभाग, महालेखाकार एवं शासन को ससमय उपलब्ध करायी जाय।
- (v) किसी भी शासकीय व्यय हेतु उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली, वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-1 (वित्तीय अधिकारों का प्रतिनिधायन नियम) वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-5, भाग-1 (लेखानियम आय-व्यय सम्बन्धी नियम (बजट मैनुअल) तथा अन्य सुसंगत नियम, शासनादेश आदि का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।
- (vi) वित्त विभाग के शासनादेश सं0-490/XXVII(1)/2016, दि0-31 मार्च, 2016 में दिये गये दिशा-निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।

2. इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय वित्तीय वर्ष 2016-17 में अनुदान संख्या-20 के अन्तर्गत संलग्नक-1 में वर्णित शीर्षको/उपशीर्षकों की प्राथमिक इकाईयों के नामे डाला जायेगा।

3. यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या 1271/XXVII(2)/2017, दि-  
27 मार्च, 2017 में दी गयी सहमति के क्रम में निर्गत किये जा रहे हैं।  
संलग्न : यथोक्त।

सुवदीय,  
(आनन्द बर्द्धन)  
प्रमुख सचिव।

संख्या- 465 / II-2017-03(09)/2015तददिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. महालेखाकार (ऑडिट) उत्तराखण्ड वैभव पैलेस सी-1/105, इन्दिरानगर, देहरादून।
2. महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी) उत्तराखण्ड ओबराय मोटर्स बिल्डिंग, माजरा, देहरादून।
3. आयुक्त, गढ़वाल मण्डल, पौड़ी/कुमाँऊ मण्डल, नैनीताल।
4. समस्त जिलाधिकारी/कोषाधिकारी, उत्तराखण्ड।
5. वित्त विभाग (वित्त अनुभाग-2), उत्तराखण्ड शासन।
6. समस्त अधिशासी अभियन्ता, सिंचाई विभाग द्वारा प्रमुख अभियन्ता, सिंचाई विभाग।
7. निदेशक, कोषागार एवं वित्त सेवाएँ, उत्तराखण्ड 23 लक्ष्मी रोड, देहरादून।
8. निदेशक, राष्ट्रीय सूचना केन्द्र, सचिवालय परिसर, देहरादून।
9. गार्ड फाईल।

संलग्न : यथोक्त।

आज्ञा से,  
(देवेन्द्र पालीवाल)  
अनु सचिव